अब सरकारी स्कूलों का भी होगा अपना हेल्थ क्लिनिक, बच्चों को स्कूल में ही मिलेंगी स्वास्थ्य सुविधाएं

उप मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री ने किया स्कूल हेल्थ क्लिनिक का उद्घाटन

- बीएसईएस की साझेदारी में इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की शुरूआत
- छात्रों के शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक कल्याण पर रहेगा फोकस

नई दिल्लीः 7 मार्च। प्राइवेट स्कूलों की तरह अब दिल्ली के सरकारी स्कूलों का भी अपना खुद का हेल्थ क्लिनिक होगा और बच्चों को स्कूल में ही स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। आज, साउथ दिल्ली के मोती बाग स्थित सर्वोदय कन्या विद्यालय में दिल्ली के माननीय उप मुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया और माननीय स्वास्थ्य मंत्री श्री सत्येन्द्र जैन ने इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। शुरूआत में, 20 सरकारी स्कूल इस प्रोजेक्ट के दायर में आएंगे। उद्घाटन के मौके पर बीएसईएस अधिकारी भी मौजूद थे।

बीएसईएस की साझेदारी में इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की शुरूआत की गई है। फिलहाल, दक्षिण, पश्चिम, पूर्वी और मध्य दिल्ली के 20 सरकारी स्कूलों में हेल्थ क्लिनिक शुरू किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार के प्रयासों को आगे बढाते हुए बीएसईएस ***स्पर्श*** व ***सुरक्षा*** जैसे सीएसआर कार्यक्रमों के तहत शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है और लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने में सक्रिय भूमिका निभा रही है।

क्या है हेल्थ क्लिनिक और कैसे काम करेगा

यह मोहल्ला क्लिनिक के जैसा ही है, लेकिन यह पूर्ण रूप से उस स्कूल के बच्चों के लिए ही समर्पित रहेगा। यह क्लिनिक स्कूल की कार्य–अवधि के दौरान कार्य करेगा। स्कूल परिसर में लगाए गए पोर्टा केबिन से यह संचालित होगा। स्कूल हेल्थ क्लिनिक 600 वर्गफुट में फैला होगा। यह बच्चों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण पर जोर देगा। बच्चों के सर्वांगीण विकास पर इस क्लिनिक का फोकस रहेगा। स्कूल परिसर में स्थित पोर्टा केबिन या फिर स्कूल बिल्डिंग में ही किसी अलग रूम से यह हेल्थ क्लिनिक ऑपरेट करेगा।

डबल शिफ्ट वाले स्कूलों में कैसे काम होगा

डबल शिफ्ट वाले स्कूलों में हेल्थ क्लिकल भी दो शिफ्टों में काम करेगा। वहां अलग–अलग शिफ्टों में स्वास्थ अधिकारियों व कर्मचारियों की दो अलग–अलग टीमें काम करेंगी।

हेल्थ क्लिनिक में क्या सुविधाएं मिलेंगी

रूटीन चेक–अप्स करने के अलावा, हेल्थ क्लिनिक में ओपीडी की सुविधा होगी और दवाइयां मिलेंगी। वहां बच्चों को फर्स्ट एड भी मिलेगा। बच्चों को मानसिक व भावनात्मक कल्याण संबंधी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्हें काउंसलिग की सुविधा भी मिलेगी। कोविड की वजह से लंबे गैप के बाद अब जब स्कूल खुले हैं, तो ऐसे में बच्चों की काउंसलिंग और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है।

कैसी होगी हेल्थ क्लिनिक की टीम

स्कूल हेल्थ क्लिनिक में एक क्लिनिकल असिस्टेंट होगा या एक नर्स होगी। एक मनोवैज्ञानिक होगा और एक मल्टी–टास्क वर्कर भी होगा। हर पांच क्लिनिक पर एक डॉक्टर होगा और वह हर क्लिनिक पर हफ्ते में एक बार विजिट करेगा।

बीमारी का पता चलने पर क्या करेंगे

स्कूल क्लिनिक का लक्ष्य है कि अगले तीन महीनों के भीतर स्कूल के शत–प्रतिशत बच्चों की स्क्रीनिंग पूरी कर ली जाए। स्क्रीनिंग के दौरान सामने आई बीमारियों का विशेषज्ञ डॉक्टरों से इलाज कराया जाएगा। बीमारी का पता चलने से लेकर उसके इलाज होने तक का पूरा ट्रैक भी वहां रखा जाएगा।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, कोविड 19 ने सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनियाभर के लिए अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी की हैं। इस महामारी से लड़ने के लिए सरकारें और अथॉरिटीज काफी काम कर रही हैं, लेकिन इसके लिए कॉरपोरेट सेक्टर को भी आगे आना होगा। एक जिम्मेदार कॉरपोरेट नागरिक होने के नाते बीएसईएस डिस्कॉम्स सरकारों के प्रयासों को बढ़ावा देते हुए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में जीवन की गुणवता में सुधार लाने का प्रयास कर रही है।

प्रवक्ता ने बताया कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर बदलाव लाने के इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में साझीदार बनकर बीएसईएस को काफी प्रसन्नता हो रही है। उल्लेखनीय है कि बीएसईएस के सीएसआर कार्याक्रमों का फोकस भी मुख्य तौर पर शिक्षा और स्वास्थ्य ही हैं। इससे पहले, बीएसईएस ने दिल्ली सरकार के स्कूली बच्चों के इस्तेमाल के लिए 850 ई–टैबलेट्स भी उपलब्ध कराए थे।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।

.....